# पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र

# Forest Research Centre - Eco-Rehabilitation

**( A Centre of Indian Council of Forestry Research & Education, Dehradun under Ministry of Environment , Forests & CC, Govt. of India)**

**3/1, Lajpath Rai Road, New Katra, Allahabad**

**Phone-0532 -2440795, EPBAX- 0532- 2440796,Fax-0532 -2440797**

**E Mail:** dir _csfer@icfre.org


## स्वतंत्रता दिवस पर विशेष

## वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा वृक्षारोपण– प्रदूषण व कुपोषण से आजादी की ओर

स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश को हरा भरा और प्रदूषण मुक्त बनाने के आहवान के अन्तर्गत पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, इलाहाबाद द्वारा दिनांक 15.08.2018 को पड़िला ग्राम, सोरांव, इलाहाबाद में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केन्द्र के प्रमुख डॉ. अमित पाण्डेय, वैज्ञानिकगण डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनीता तोमर, श्री आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा अधिकारीगण– डॉ. एस. डी. शुक्ला, श्री सिया राम, श्री हरीश कुमार तथा विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधार्थी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

यह केन्द्र वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के अन्तर्गत कार्य करते हुए संस्थान की निदेशक डॉ. सविता, भा.व.से. के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश की वानिकी व पर्यावरण समस्याओं पर अनुसंधान कर रहा है। कार्यक्रम में कृषकों हेतु कुपोषण निवारक, आर्थिक समृद्धि कारक व औषधीय वृक्ष प्रजातियॉं यथा– सहजन, मीठी नीम, गंभार, इमली, महुआ, कटहल, कैथा तथा पीपल के पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण स्थान के निर्देशांक– उत्तर $25^{0}$ 32,652' पूर्व $81^{0}$ 53,436' हैं।

सहजन, मीठी नीम, महुआ, तथा इमली के वृक्ष फलों तथा औषधि हेतु स्थानीय जन के लिए विशेष उपयोगी हैं। गंभार (सफेद सागौन) के वृक्ष काष्ठ हेतु महत्वपूर्ण है। पीपल धार्मिक महत्व हेतु सर्व विदित है। सहजन का वृक्ष वर्तमान समय में फलियों तथा पत्तियों हेतु विशेष औद्योगिक महत्व का है, जिससे कृषकों को अतिरिक्त आर्थिक आय एवं कुपोषण से मुक्ति प्राप्त होती है। प्रदेश के प्रदूषण तथा कुपोषण उन्मूलन एवं धार्मिक आस्था में वृद्धि हेतु मुख्यमंत्री के विशेष आहवान में इस केन्द्र का प्रयास सतत रूप से कार्यकारी रहा है।

कार्यक्रम में स्थानीय जन को वृक्षारोपण के महत्व तथा प्रदेश के वृक्षारोपण महायज्ञ के अभियान के विषय में केन्द्र प्रमुख ने विस्तार से प्रकाश डाला। हमारे दैनिक जीवन में दिन प्रतिदिन वृक्ष के उपयोग, राष्ट्रीय वन नीति के निर्धारित लक्ष्य तथा वातावरणीय प्रदूषण को दूर करने में वृक्षों के महत्व को भी केन्द्र द्वारा विस्तारित किया गया।

# <u>Glimpses of plantation activity by FRC- ER, Allahabad</u>

**NEWS OF PLANTATION BY FRC-ER, ALLAHABAD ON 15.08.2018**

JEEVAN EXPRESS

SATURDAY, 18 AUGUST 2018, ALLAHABAD

## Forest Research Centre - Eco Rehabilitation organises tree plantation drive

ALLAHABAD: Under the banner of Forest Research Centre - Eco Rehabilitation, a plantation drive was organised at Padila Gram, Soraon on the occasion of Independence Day. The head of the centre, Dr Amit Pandey scientists Dr Kumud Dubey, Dr Anita Tomar, Dr Alok Yadav, Dr Anubhav Srivastava and other officials including Dr SD Shukla, Siya Ram, Harish Kumar and research scholars of different projects among others were present on the occasion.

हिन्दुस्तान इलाहाबाद• शुक्रवार • 17 अगस्त 2018 06

## पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

इलाहाबाद। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पारि-पुरस्थापन वन अनुसंधान केंद्र लाजपत राय रोड की ओर से पड़िला और सोरांव में फल और औषधीय पौधे लगाए गए। इस अवसर पर केंद्र प्रमुख डॉ. अमित पांडेय, डॉ सविता, वैज्ञानिक कुमुद दुबे डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एसडी शुक्ल, सिया राम, हरीश कुमार ने लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। साथ ही दैनिक जीवन में वृक्षों की उपयोगिता, वन नीति के निर्धारित लक्ष्य और पर्यावरण पदूषण रोकने के बारे में जानकारी दी गई।

XXXXXXXXXXXX